        - योजना एवं कुरुक्षेत्र टेस्ट
        - डाउन टू अर्थ टेस्ट
        - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी टेस्ट
    - Prelims Special
        - Path To Prelims
        - 60 Steps To Prelims
        - प्रीलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020
        - PT Sprint 2022
    - विगत वर्षों के प्रश्नपत्र
        - सामान्य अध्ययन
        - सीसैट
    - ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़
        - टेस्ट सीरीज़ के लिये नामांकन
        - फ्री मॉक टेस्ट
- मुख्य परीक्षा
    - पाठ्यक्रम & रणनीति
        - पाठ्यक्रम
        - रणनीति
    - मेन्स प्रैक्टिस प्रश्न
    - एन. सी. ई. आर. टी.
        - इतिहास
    - निबंध
        - निबंध उपयोगी उद्धरण
        - टॉपर्स के निबंध
        - मॉडल निबंध
    - विगत वर्षों के प्रश्नपत्र
        - वर्षवार
        - विषयानुसार
    - टॉपर्स कॉपी
        - सामान्य अध्ययन
        - हिंदी साहित्य
        - इतिहास
        - भूगोल
        - दर्शनशास्त्र
        - निबंध
        - हिंदी अनिवार्य
    - Be Mains Ready
        - 2021
        - 2020
        - 2019
    - मॉडल पेपर
    - ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़
        - ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़ (यू.पी.एस.सी.)
- प्रैक्टिस टेस्ट
    - Path to prelims
    - मासिक करेंट अफेयर्स संग्रह
    - 60 Steps To Prelims
    - डेली करेंट टेस्ट
    - साप्ताहिक रिवीज़न
    - एन. सी. ई. आर. टी. टेस्ट
    - आर्थिक सर्वेक्षण टेस्ट
    - PRS & PIB
    - सीसैट टेस्ट
    - सामान्य अध्ययन टेस्ट
    - योजना एवं कुरुक्षेत्र टेस्ट
    - डाउन टू अर्थ टेस्ट
    - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी टेस्ट
    - PCS Quiz
- पी.सी.एस.

    - बिहार
    - छत्तीसगढ़
    - राजस्थान
    - उत्तर प्रदेश
    - हरियाणा
    - झारखंड
    - उत्तराखंड
    - मध्य प्रदेश
- टेस्ट सीरीज़
    - UPSC
        - प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़
        - मेन्स टेस्ट सीरीज़
    - BPSC
        - प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़
        - मेन्स टेस्ट सीरीज़ -
            - सामान्य अध्ययन
            - हिंदी साहित्य
    - UPPCS
        - प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़
        - मेन्स टेस्ट सीरीज़
    - RAS/RTS
        - मेन्स टेस्ट सीरीज़
    - MPPSC
        - प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़
        - मेन्स टेस्ट सीरीज़
- करेंट अफेयर्स
    - डेली न्यूज़, एडिटोरियल और प्रिलिम्स फैक्ट
    - डेली करेंट टेस्ट
    - संसद टीवी संवाद
    - आर्थिक सर्वेक्षण
    - मासिक करेंट अपडेट्स संग्रह
    - मासिक एडिटोरियल संग्रह
    - मासिक डेली क्विज़ संग्रह
- दृष्टि स्पेशल्स
    - चर्चित मुद्दे
    - माइंड मैप
        - पेपर 1
        - पेपर 2
        - पेपर 3
        - पेपर 4
    - टू द पॉइंट
        - पेपर 1
        - पेपर 2
        - पेपर 3
        - पेपर 4
    - महत्त्वपूर्ण संस्थान/संगठन
    - मैप के माध्यम से अध्ययन
    - महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट्स की जिस्ट
    - पीआरएस कैप्सूल्स
    - डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम
- डाउनलोड्स
    - टॉपर्स कॉपी
        - सामान्य अध्ययन
        - हिंदी साहित्य
        - इतिहास
        - भूगोल
        - दर्शनशास्त्र
        - निबंध
        - हिंदी अनिवार्य

- मॉडल निबंध
- विगत वर्षों के प्रश्नपत्र
    - वर्षवार
    - विषयानुसार
- टॉपर्स कॉपी
    - सामान्य अध्ययन
    - हिंदी साहित्य
    - इतिहास
    - भूगोल
    - दर्शनशास्त्र
    - निबंध
    - हिंदी अनिवार्य
- Be Mains Ready
- 'AWAKE' : मुख्य परीक्षा-2020
- मॉडल पेपर
- ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़
    - ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़ (यू.पी.एस.सी.)

पी.सी.एस.

- बिहार
- छत्तीसगढ
- राजस्थान
- उत्तर प्रदेश
- हरियाणा
- झारखंड
- उत्तराखंड
- मध्य प्रदेश

टेस्ट सीरीज़

- UPSC प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़
- UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़
- UPPCS प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़
- UPPCS मेन्स टेस्ट सीरीज़
- BPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ - हिंदी साहित्य

करेंट अफेयर्स

- डेली न्यूज़, एडिटोरियल और प्रिलिम्स फैक्ट
- डेली करेंट टेस्ट
- मासिक करेंट अपडेट्स संग्रह
- संसद टीवी संवाद
- आर्थिक सर्वेक्षण
- मासिक करेंट अपडेट्स संग्रह
- मासिक एडिटोरियल संग्रह
- मासिक डेली क्विज़ संग्रह

दृष्टि स्पेशल्स

- चर्चित मुद्दे
- माइंड मैप
  - पेपर 1
  - पेपर 2
  - पेपर 3
  - पेपर 4
- टू द पॉइंट
  - पेपर 1
  - पेपर 2
  - पेपर 3
  - पेपर 4
- महत्त्वपूर्ण संस्थान/संगठन
- मैप के माध्यम से अध्ययन
- संसद टीवी संवाद
- महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट्स की जिस्ट
- पीआरएस कैप्सूल्स
- डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम

डाउनलोड्स

- टॉपर्स कॉपी
  - सामान्य अध्ययन
  - हिंदी साहित्य
  - इतिहास
  - भूगोल
  - दर्शनशास्त्र
  - निबंध
  - हिंदी अनिवार्य
- एनसीईआरटी बुक्स
- एनआईओएस स्टडी मैटिरियल
- इग्नू स्टडी मैटिरियल
- योजना और कुरुक्षेत्र
- इन्फोग्राफिक्स
- विगत वर्षों के प्रश्नपत्र
  - सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा)
  - सीसैट (प्रारंभिक परीक्षा)
  - मुख्य परीक्षा (वर्षवार)
  - मुख्य परीक्षा (विषयानुसार)

वीडियो सेक्शन

- मेन्स (जी.एस.) डिस्कशन
- मेन्स (ओप्शनल) डिस्कशन
- करेंट न्यूज़ बुलेटिन
- मॉक इंटरव्यू

-

प्रश्न :

बेरोज़गारी के मापकों का परिचय दें। भारत में पाई जाने वाली बेरोज़गारी की प्रवृत्तियों का वर्णन करें।

05 Oct, 2017   सामान्य अध्ययन पेपर 3 अर्थव्यवस्था

उत्तर :

कार्य करने के योग्य तथा इच्छुक व्यक्तियों द्वारा प्रचलित मज़दूरी पर काम की मांग के बावजूद भी यदि उसे रोज़गार उपलब्ध न हो, तो इस स्थिति को बेरोज़गारी कहते हैं। भारत में बेरोज़गारी का मापन राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) द्वारा किया जाता है।

बेरोज़गारी के मापन की विधियाँ-

- सामान्य स्थिति बेरोज़गारी (Usual Status Unemployment)- इस स्थिति में व्यक्ति को बेरोज़गार तब माना जाता है, जब वह वर्ष के व्यस्त भाग अर्थात् 183 दिनों के लिये काम करना चाहता है और उसे 183 दिनों का भी रोज़गार न मिले।
- प्रचलित साप्ताहिक स्थिति बेरोज़गारी (Current Weekly Status Unemployment)- इस स्थिति के अंतर्गत उस व्यक्ति को बेरोज़गार कहा जाता है, जो एक सप्ताह में एक घंटे के लिये भी काम पाने में असफल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर संगठन (ILO) जैसे निकाय रोज़गार और बेरोज़गारी के अध्ययन के लिये इसे ही आधार बनाते हैं।
- प्रचलित दैनिक स्थिति बेरोज़गारी (current daily status unemployment)- इसके अंतर्गत यदि किसी व्यक्ति को एक दिन में चार घंटे का काम उपलब्ध हो तो इसे आधे दिन का रोज़गार माना जाता है। यह बेरोज़गारी मापन की सबसे उपयुक्त विधि है।

भारत में बेरोज़गारी की प्रवृत्ति-

भारत में बेरोज़गारी से संबंधित प्रमुख प्रवृत्तियाँ निम्नलिखित हैं-

- ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में बेरोज़गारी का विस्तार अधिक है।
- पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में बेरोज़गारी की दर अधिक है।
- कुल बेरोज़गारी में शैक्षणिक बेरोज़गारी का विस्तार अधिक है।
- अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा कृषि क्षेत्र में बेरोज़गारी अधिक है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोज़गारी निम्नलिखित तीन व्यापक रूपों में दिखाई देती है-

- खुली और दीर्घकालिक बेरोज़गारी - कृषि क्षेत्रों में भूमिहीन श्रमिकों का एक बड़ा समूह कृषि कार्य करके जीवन-निर्वाह करता है। आज भी भारत के अविकसित कृषि क्षेत्रों में जनसंख्या के भारी दबाव के कारण बहुत से लोग रोज़गार पाने में असफल रहते हैं और इस प्रकार दीर्घकालिक बेरोज़गारी के शिकार रहते हैं।
- मौसमी बेरोज़गारी – भारत में कृषि का मौसमी स्वरूप है। फसलों की बुआई एवं कटाई के समय लोगों को काम मिल जाता है और रोज़गार की दर उच्च हो जाती है लेकिन बुआई और कटाई के बीच के समय में लोगों के पास कोई काम नहीं होता है और इस तरह वे बेरोज़गार रह जाते हैं। बहुत से ग्रामीण उद्योग जैसे- चीनी मिलें, चावल और कपास उत्पादक इकाइयाँ इत्यादि कृषि उत्पाद के प्रसंस्करण पर निर्भर हैं, अतः ये भी मौसमी रोज़गार ही उपलब्ध करा पाते हैं।
- प्रच्छन्न बेरोज़गारी - बेरोज़गारी का यह ऐसा रूप है, जिसमें व्यक्ति स्वयं को बेरोज़गार महसूस नहीं करते हैं, लेकिन तकनीकी रूप से वे बेरोज़गार ही होते हैं। भारत में भूमि पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता जा रहा है। अतः प्रति व्यक्ति उत्पादकता घटती जाती है। ऐसी स्थिति जिसमें बड़े पैमाने पर श्रमिकों की उत्पादकता शून्य है अर्थात् उनका कार्य, कोई अतिरिक्त उत्पादन नहीं करता है। यदि उन्हें कृषि कार्य से हटा दिया जाए तो इस प्रकार की बेरोज़गारी, प्रच्छन्न (छिपी) बेरोज़गारी कहलाती है। इस बेरोज़गारी का प्रमुख कारण जनसंख्या के बढ़ते दबाव के साथ वैकल्पिक रोज़गार की अनुपलब्धता है।

शहरी क्षेत्रों में भी व्यापक पैमाने पर बेरोज़गारी है, जिसमें निम्न प्रमुख हैं-

- औद्योगिक श्रमिकों में बेरोज़गारी - औद्योगिक विकास की प्रक्रिया पर्याप्त रूप से इतनी तीव्र नहीं हो पाई है कि ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवासित समस्त श्रम इनमें समायोजित हो सके। औद्योगिक विस्तार का तरीका मुख्यतः पूंजी-गहन तकनीक (श्रम-बचत तकनीक) पर आधारित है। इस प्रकार की तकनीक द्वारा औद्योगिक उत्पादन में तो तीव्र वृद्धि हो सकती है लेकिन रोज़गार के अवसरों में नहीं। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों से जो लोग रोज़गार की तलाश में अधिकांश शहरी औद्योगिक केंद्रों की तरफ आए हैं, वे रोज़गार पाने में असफल रह जाते हैं और इस प्रकार औद्योगिक श्रमिकों के मध्य बेरोज़गारी में वृद्धि हो जाती है।
- शहरी शिक्षितों के मध्य बेरोज़गारी - विद्यालय एवं विश्वविद्यालयी स्तरों पर शहरी क्षेत्रों में शैक्षणिक सुविधाओं में विस्तार और सामाजिक प्रतिष्ठा जो कि शिक्षा से आती है तथा शिक्षण संस्थाओ में नामांकन वृद्धि ने बढ़ती हुई चेतना को त्वरित रूप से बढ़ा दिया है। प्रतिवर्ष ऐसे लाखों स्नातक निकल रहे हैं, जो श्रम बाज़ार में प्रवेश तो कर जाते हैं, लेकिन इनकी शिक्षा रोज़गारोन्मुख नहीं होने के कारण योग्यतानुसार रोज़गार प्राप्ति में प्रोत्साहित नहीं कर पाती है।
- तकनीकी बेरोज़गारी - तकनीकी परिवर्तन सभी क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन लाता है। जो लोग परंपरागत तकनीकों का प्रयोग कर रहे थे, वे उद्योग, परिवहन एवं अन्य क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीक के आने से सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाने से बेरोज़गार हो जाते हैं।
- शहरी एवं ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में युवाओं के मध्य बेरोज़गारी उच्चतम शिखर पर है। । यदि इनको रोज़गार दिया जाता है, तो राष्ट्रीय आय में इनका योगदान (अंश) उच्च हो सकता है। यदि इस आयु समूह के लोग अधिक समय के लिये बेरोज़गार रह जाते हैं तो ये सामाजिक तनाव का कारण बन सकते हैं, अतः इस समस्या पर ध्यान देने की ज़रूरत है।

मेन्स प्रैक्टिस प्रश्न

- होम
- मेन्स प्रैक्टिस प्रश्न

filterHide Menu

$('#sendtoprogress').click(function(e){ var article=$('#article').val(); var title = $('#articletitle').val(); var url = "https://www.drishtiias.com/hindi/mains-practice-question/question-920/pnt"; $.ajax({ type: "POST", url: "https://www.drishtiias.com/hindi/articles/progress", data: 'article='+article+'&type=2&articletitle='+title+'&url='+encodeURIComponent(url), success: function(data){ if(data=='success'){ if($('.progresslist').length) { $('.progresslist').prepend('
'+title+'
'); }else { $('.message').hide(); $('

- '+title+'

').insertAfter(".content .prog"); } $('#articlemsg').html('आर्टिकल को आपके प्रोग्रेस सेक्शन में जोड़ दिया गया है।'); $('.fixbtn.progress').toggleClass('open'); }else if(data=='already'){ $('#articlemsg').html('यह आर्टिकल आपके प्रोग्रेस सेक्शन में पहले से ही मौजूद है।'); }else if(data=='login'){ $('#articlemsg').html('आर्टिकल को प्रोग्रेस सेक्शन में जोड़ने के लिए लॉगिन करें।'); }else{ $('#articlemsg').html('ओह! कुछ गलत हो गया है। कृपया पुनः प्रयास करें।'); } }, error: function(error,errortype,errorstatus){ alert(errortype); } }); }); $('#sendtobookmark').click(function(e){ var article=$('#article').val(); var title = $('#articletitle').val(); var url = "https://www.drishtiias.com/hindi/mains-practice-question/question-920/pnt"; $.ajax({ type: "POST", url: "https://www.drishtiias.com/hindi//articles/progress", data: 'article='+article+'&type=1&articletitle='+title+'&url='+encodeURIComponent(url), success: function(data){ if(data=='success'){ if($('.bookmarklist').length) { $('.bookmarklist').prepend('
'+title+'
'); }else { $('.message').hide(); $('

- '+title+'

').insertAfter(".content .bookm"); } $('#articlemsg').html('यह आर्टिकल आपके बुकमार्क्स सेक्शन में जोड़ दिया गया है।'); $('.fixbtn.bookmark').toggleClass('open'); }else if(data=='already'){ $('#articlemsg').html('यह आर्टिकल आपके बुकमार्क्स सेक्शन में पहले से ही मौजूद है।'); }else if(data=='login'){ $('#sendtobookmark').addClass('popup'); //$('#articlemsg').html('Please login to send this article into progress.'); }else{ $('#articlemsg').html('ओह! कुछ गलत हो गया है। कृपया पुनः प्रयास करें।'); } }, error: function(error,errortype,errorstatus){ alert(errortype); } }); });

न्यूज़लेटर सदस्यता

सब्सक्राइब करें

एसएमएस अलर्ट

सब्सक्राइब करें

हमारे बारे में

- For 2nd/3rd/4th EMI - Pay Now
- 'दृष्टि द विज़न' फाउंडेशन का परिचय
- दृष्टि वेब स्टोर
- दृष्टि मीडिया
- प्रबंध निदेशक
- इंफ्रास्ट्रक्चर
- UPSC Content
- इंटर्नशिप प्रोग्राम

हमसे जुड़ें

- संपर्क करें
- आपकी प्रतिक्रिया
- करियर

हमसे संपर्क करें

दृष्टि द विज़न फाउंडेशन
641, पहली मंजिल, डॉ. मुखर्जी नगर,
सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के सामने ,
नई दिल्ली - 110009

दृष्टि द विज़न फाउंडेशन
सिविल लाइन्स, प्रयागराज (इलाहाबाद),
उत्तर प्रदेश - 211001,
फोन नंबर - 8448485518, 8750187501

- _

- _
- _
- _
- _
- _

1800-121-6260 / 011-47532596

_ __

_

कॉपीराइट © 2018-2022 'दृष्टि द विज़न' फाउंडेशन, इंडिया | सर्वाधिकार सुरक्षित | गोपनीयता नीति

```
function getCookie(name) { var match = document.cookie.match(RegExp('(?:^|;\\s*)' + name + '=([^;]*)')); return match ? match[1] : null; } if(getCookie('isPopupDisplayed_recent')!=1) { $(document).ready(function(){ document.cookie = "isPopupDisplayed_recent=1" // $('#myModal_recent').css('display','block'); $('#img01').attr('src',$('#myImg').attr('src')); $('#img01').attr('style','cursor:pointer'); }); $('#img01').on('click',function(e){ window.location="https://www.drishtiias.com/topic/cs-day"; }); $('#popclose').on('click',function(e){ $('#myModal_recent').css('display','none'); }); } // Added this - if user click on anywhere outside popup - modal/popup will be gone $('body').click(function(e) { $('#myModal_recent').hide(); });
```

Share Page

_
__
_
__
_
__
_
__
_
__

खोजें Close

$('#searchfrm').submit(function(e){ var search=$('#search').val(); location='https://www.drishtiias.com/hindi/search/'+search; e.preventDefault(); }); $(document).ready(function(){ $('.comin-soon').colorbox({innerWidth: 1100, innerHeight: 530}); if(screen.width

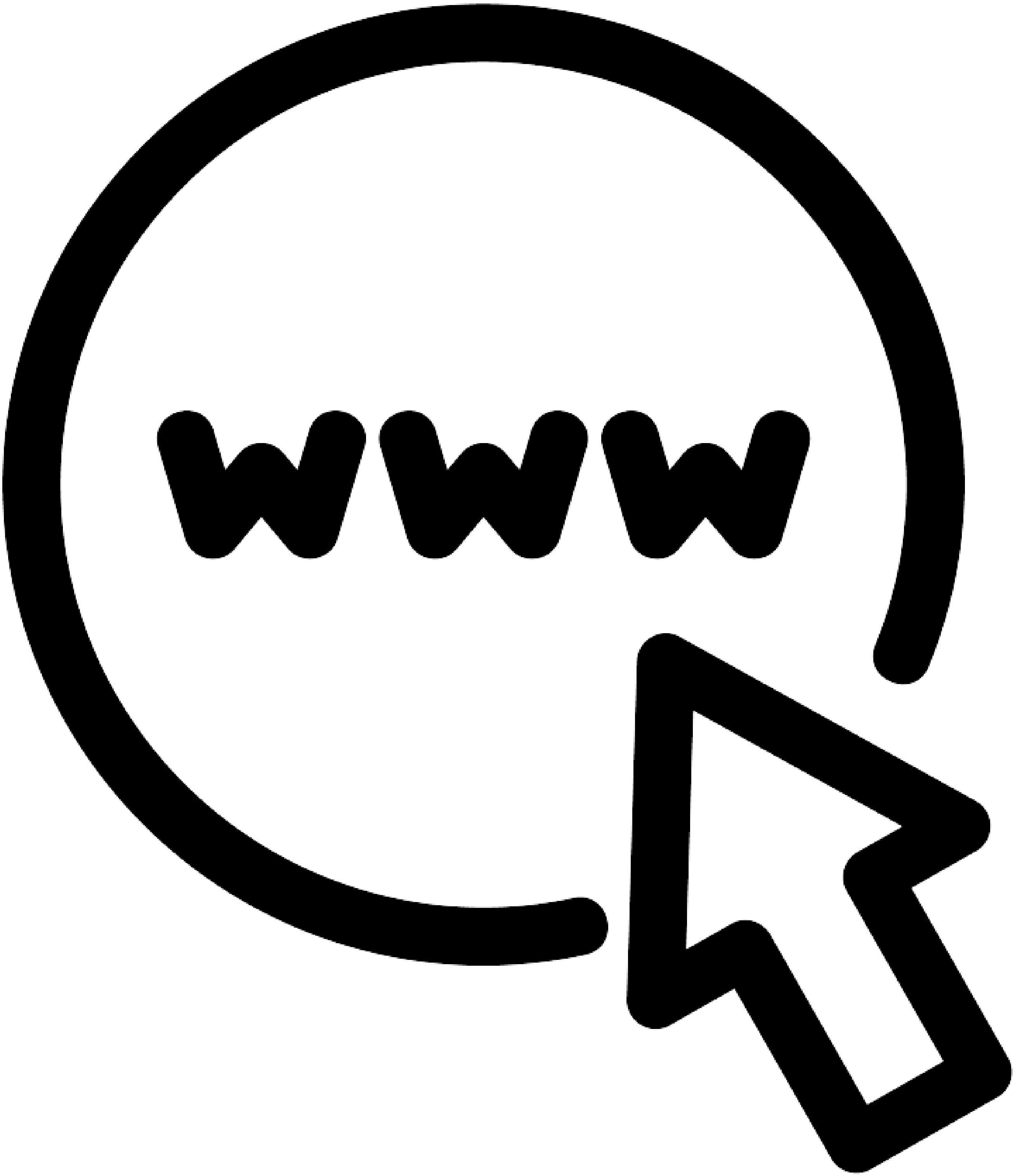

  -

  -

  -

  -

  -

// For desktop - DRAGGABLE $('.float-plus').draggable(); $(".float-plus").css("position", "fixed"); $('.float-plus').click(function(){ show_social_float_icons(); }) var box = document.getElementById('float-plus'); $('.float-plus').mousedown(function(){ box.style.transition = "all 0s ease 0s"; }); $('.float-plus').mouseup(function(){ box.style.transition = "all 1s ease 0s"; var screen_width = screen.width; var screen_width = parseInt(screen_width, 10) var current_location = box.style.left; var current_location = parseInt(current_location, 10) var screen_middle = (screen_width/2); var xx = (screen_width*0.04); var x = (screen_width*0.009); if(current_location > screen_middle){ box.style.left = (screen_width-xx) + 'px'; } else { box.style.left = x + 'px'; } }); // For MOBILE TOUCH - DRAGGABLE var box = document.getElementById('float-plus'); box.addEventListener('touchstart', function(e) { // Nothing for now! }); box.addEventListener('touchmove', function(e) { box.style.transform = "translate(-50%, -50%)"; var touchLocation = e.targetTouches[0]; box.style.left = (touchLocation.pageX-window.scrollX) + 'px'; box.style.top = (touchLocation.pageY-window.scrollY) + 'px'; e.preventDefault(); }); box.addEventListener('touchend', function(e) { // Nothing for now! }); function remove_social_float_icons() { $(".float-fb").animate({ top: "-=8%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-fb").hide("slow"); },500); $(".float-tw").animate({ top: "-=16%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-tw").hide("slow"); },500); $(".float-rs").animate({ top: "-=24%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-rs").hide("slow"); },500); $(".float-ig").animate({ top: "-=32%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-ig").hide("slow"); },500); $(".float-pn").animate({ top: "-=40%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-pn").hide("slow"); },500); $(".float-wp").animate({ top: "-=48%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-wp").hide("slow"); },500); var width = (window.innerWidth > 0) ? window.innerWidth : screen.width; if(width 0) ? window.innerWidth : screen.width; if(width